भारत सरकार

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3340

दिनांक 29 मार्च, 2023 को उत्तर के लिए

देश में कुपोषण को समाप्त करना

3340. श्री राजेन्द्र गहलोत:

क्या **महिला एवं बाल विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा देश में कुपोषण को दूर करने के लिए उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है;
(ख) सरकार द्वारा राजस्थान में आंगनवाड़ी केंद्रों की स्थिति को सुधारने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या आंगनवाड़ी केंद्रों में बालक, बालिका और गर्भवती/शिशुओं को स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए पूर्ण खाद्य कवरेज सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम उठाए जा रहे हैं; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ड.) यदि नहीं, तो इसके क्या परिणाम हैं?

उत्तर

श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी **महिला एवं बाल विकास मंत्री**

(क) : सरकार ने कुपोषण की समस्या को उच्च प्राथमिकता दी है और इस समस्या को हल करने के लिए गंभीर प्रयास कर रही है। सरकार की फ्लैगशिप स्कीम के रूप में पोषण अभियान की शुरुआत 2018 में एक समन्वित और परिणामोन्मुखी दृष्टिकोण अपनाकर कुपोषण की समस्या को दूर करने के लिए शुरू की गई थी। इसके अलावा, विभिन्न नीति और प्रणालीगत जरूरतों को पूरा करने के लिए, समेकित बाल विकास स्कीम और आंगनवाड़ी सेवा स्कीमों का कार्यक्रम डिजाइन, कार्यान्वयन की प्रक्रिया, इनके परिणाम और प्रभाव के संबंध में पुनर्मूल्यांकन किया गया और इसके उद्देश्यों और लक्ष्य को प्राप्त करने में कार्यक्रम की प्रासंगिकता का पुनर्मूल्यांकन किया गया। आंगनवाड़ी सेवाओं के तहत पूरक पोषण कार्यक्रम के प्रयासों, किशोरियों के लिए स्कीम और पोषण अभियान को पोषण संबंधी परिणामों को अधिकतम करने के लिए 'सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0' या मिशन पोषण 2.0 के रूप में फिर से जोड़ा गया है। यह बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने

वाली माताओं में पोषण सामग्री और वितरण में एक रणनीतिक बदलाव के माध्यम से और स्वास्थ्य, कल्याण और प्रतिरक्षा का पोषण करने वाली प्रथाओं को विकसित करने और बढ़ावा देने के लिए एक अभिसरण पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के माध्यम से कुपोषण की चुनौतियों का समाधान करता है। इस स्कीम को देश के राज्यों 36 राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों में शुरू किया जा चुका है। देश के 13.9 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों के साथ मिशन पोषण 2.0 के तहत 7074 स्वीकृत परियोजनाएं हैं। अब तक 9.94 करोड़ लाभार्थी अर्थात गर्भवती महिलाएं, स्तनपान कराने वाली माताएं और 6 वर्ष से कम आयु के बच्चे आईसीटी एप्लीकेशन, पोषण ट्रैकर पर आंगनवाड़ी सेवाओं के लिए पंजीकृत हैं, जिनमें से 91% आधार सत्यापित हैं। मिशन 2.0 का उद्देश्य पारदर्शिता, जवाबदेहिता, संतुलित आहार, आहार विविधता और गुणवत्ता, अधिकतम ग्रासरूट इंवाल्वमेंट और मुख्य कार्यनीतियों जैसे पोषण से संबंधित कमियों को दूर करने के लिए सही कार्यनीति, सतत स्वास्थ्य और कल्याण के लिए अच्छे खान-पान की आदतों को विकसित करने के लिए पोषण जागरुकता कार्यनीति, संवाद और पोषण वाटिका पर या आंगनवाड़ी केंद्रों के नजदीक जहां कहीं भी संभव हो और सरकार द्वारा संचालित विद्यालयों में और ग्राम पंचायत भूमि जहां से महिलाएं और बच्चे आसानी से सुविधाओं का लाभ ले सकें वहां हरित इको-सिस्टम के विकास जैसी मुख्य कार्यनीतियों द्वारा समर्थित सेवाओं की अंतिम मील वितरण के माध्यम से दूर करना है। पोषण 2.0 के तहत प्रमुख ध्यान भोजन सुदृढ़ीकरण, पारंपरिक ज्ञान तंत्र का लाभ उठाने और बाजरे के उपयोग को लोकप्रिय बनाने पर है। सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी के कारण कुपोषण की चुनौती को दूर करने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को केवल सुदृढ़ीकृत चावल आबंटित किया जा रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में 1226115 मीट्रिक टन सुदृढ़ीकृत चावल राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को आबंटित किया गया है।

(ख) : देश भर में (राजस्थान सहित) आंगनवाड़ी केंद्रों की स्थिति में सुधार के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:

I. सक्षम आंगनवाड़ी के तहत, देश भर में 2 लाख आंगनवाड़ी केंद्र(एडब्ल्यूसी) (40,000 एडब्ल्यूसी प्रति वर्ष) को 6 साल से कम उम्र के बच्चों के रचनात्मक, सामाजिक, भावनात्मक, संज्ञानात्मक और बौद्धिक विकास को बढ़ावा देने के लिए बेहतर पोषण वितरण के साथ मजबूत और उन्नत किया जाएगा। इस वर्ष आकांक्षी जिलों में उन्नयन के लिए 40,000 आंगनवाड़ी केंद्रों को चुना गया है। सक्षम आंगनवाड़ी में इंटरनेट/वाईफाई कनेक्टिविटी, एलईडी स्क्रीन और स्मार्ट लर्निंग और ऑडियो-विजुअल विज्ञापन और बच्चों के अनुकूल शिक्षण उपकरण सहित बेहतर बुनियादी ढांचा होना चाहिए।

राजस्थान राज्य में आकांक्षी जिलों में 213 सक्षम आंगनवाड़ी केंद्र अनुमोदित किए जा चुके हैं और आंगनवाड़ियों को सक्षम बनाने के लिए 102.93 लाख रुपये की धनराशि जारी की जा चुकी है।

II. प्रति आंगनवाड़ी केंद्र शौचालय निर्माण की लागत को 12000/- रुपये से संशोधित कर 36000/- रुपये किया गया है और पीने के पानी की सुविधा प्रदान करने की लागत को 10000/- रुपये से संशोधित कर 17000/- रुपये किया गया है।

III. राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को सरकार के स्वामित्व वाले आंगनवाड़ी भवनों में वर्षा जल संचयन की स्थापना के लिए सलाह दी गई है।

IV. वित्त वर्ष 2025-26 को समाप्त होने वाली पांच साल की अवधि के लिए मनरेगा के साथ अभिसरण के तहत कुल 50,000 एडब्ल्यूसी (10,000/- रुपये एडब्ल्यूसी प्रति वर्ष) का निर्माण किया जाना है। मनरेगा के साथ अभिसरण के तहत एडब्ल्यूसी भवनों के निर्माण की लागत को संशोधित कर 12.00 लाख रुपये प्रति एडब्ल्यूसी कर दिया गया है जिसमें से मनरेगा के तहत 8.00 लाख रुपये, 15वें वित्त आयोग के फंड के तहत 2.00 लाख रुपये (कोई अन्य अनटाइड फंड) और निर्धारित लागत साझाकरण अनुपात में केंद्र और राज्यों/संघ शासित प्रदेशों के बीच प्रति आंगनवाड़ी केंद्र एमडब्ल्यूसीडी द्वारा 2.00 लाख रुपये साझा किए जाएंगे।

V. फर्नीचर, उपकरण आदि की खरीद के लिए अनुदान स्वीकृत किया जाता है।

VI. कुशल सेवा वितरण के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों(एडब्ल्यूडब्ल्यू) को स्मार्ट फोन दिए गए हैं।

(ग) से (ड.) : गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं और 6 वर्ष की आयु तक के बच्चों में कुपोषण को समाप्त करने के लिए एक वर्ष में 300 दिनों के लिए नीचे दिए गए पोषण मानदंडों के अनुसार पूरक पोषण प्रदान किया जाता है:

क्र.सं.	**वर्ग**	**भोजन का प्रकार**
1.	बच्चे (0-6 महीने)	जीवन के पहले 6 महीनों के लिए विशेष स्तनपान
2.	बच्चे (6-36 महीने)	टेक होम राशन जिसमें 500 कैलोरी ऊर्जा और 12-15 ग्राम प्रोटीन होता है और यह बच्चे के लिए स्वादिष्ट होता है।
3.	गंभीर रूप से कुपोषित बच्चे (6-36 महीने)	800 कैलोरी ऊर्जा और 20-25 ग्राम प्रोटीन के खाद्य पूरक के साथ ऊपर दिए गए भोजन के समान प्रकार का भोजन
4.	बच्चे (3-6 वर्ष)	सुबह का नाश्ता दूध/केला/मौसमी फल आदि के रूप में और गर्म पका हुआ भोजन।

5.	गंभीर रूप से कुपोषित बच्चे (3-6 वर्ष)	सूक्ष्म पोषक तत्व फोर्टिफाइड भोजन और/या ऊर्जा से भरपूर भोजन के रूप में अतिरिक्त 300 कैलोरी ऊर्जा और 8-10 ग्राम प्रोटीन ।
6.	गर्भवती महिलाएं और नर्सिंग माताएं	टेक होम राशन के रूप में सूक्ष्म-पोषक तत्व फोर्टिफाइड भोजन और/या ऊर्जा से भरपूर भोजन

*****